(c) whether the Assistant Station Masters who were active on war service and others have been placed senior to those recruited prior to the 1st June, 1942 in violation of Railway Board's letter No. E/49/RC-1/8/3 dated 25th February 1950, and General Manager, N.W. Railway, Lahore letter No. 847E dated the 11th February, 1943; and

(d) if so, the action proposed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) to (d). Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

दक्षिण-पूर्व रेलवे में नियुक्ति

3769. **श्री लाखन लाल गुप्त :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में दक्षिण-पूर्व रेलवे में वर्ग-वार, कितनी नई नियुक्तियां की गई और प्रत्येक वर्ग में मध्य प्रदेश के औसतन कितने व्यक्ति नियुक्त किये गये; और

(ख) क्या उपरोक्त नियुक्तियों के सम्बन्ध में मध्य प्रदेश के समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किये गये थे?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा): (क) नयी नियुक्तियों की संख्या इक्ट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी। फिर भी, यह सूचना नहीं दी जा सकेगी कि उसमें मध्य प्रदेश के निवासियों की संख्या क्या है, क्योंकि इस प्रकार के आंकड़े राज्य-वार नहीं रखे जाते।

(ख) सूचना इक्ट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

रायपुर में माल डिब्बों की मरम्मत का कारखाना

3770. **श्री लाखन लाल गुप्त :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दक्षिण-पूर्व रेलवे में रायपुर स्टेशन पर माल डिब्बों की मरम्मत का एक कारखाना खोलने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो इस कारखाने का निर्माण कब आरम्भ होगा;

(ग) क्या इस कारखाने में कर्मचारियों की नियुक्ति की जा चुकी है; और

(घ) यदि हां, तो नियुक्ति किये गय कर्मचारियों में स्थानीय व्यक्तियों की प्रतिशतता कितनी है?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा): (क) जी, हां।

(ख) आशा है कि अप्रैल, 1969 से मालडिब्बों की नियमित मरम्मत हो जायेगी।

(ग) मालडिब्बों की मरम्मत के लिए अभी कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की गयी है। फिर भी, कारखाने में इस समय वी० ओ० एक्स० मालडिब्बों में "नौर" वाल्व और वी० आर० एच० माल डिब्बों में बल्क हैड लगाने के दो फुटकर काम किये जा रहे हैं और इसके लिए 68 कर्मचारी तैनात किये गये हैं जो खड़गपुर और नागपुर कारखानों और दक्षिण-पूर्व रेलवे के मण्डलों में फालतू हो गये थे।

(घ) तैनात किये गये 68 कर्मचारियों में 27 प्रतिशत स्थानीय व्यक्ति हैं।

जगदलपुर तथा बालोद के बीच रेलवे लाइन

3771. **श्री लाखन लाल गुप्त :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बैलाडीला लौह अयस्क परियोजना तथा भिलाई इस्पात कारखाने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये दक्षिण रेलवे पर जगदलपुर से बालोद तक एक रेलवे लाइन बनाना लोक हितों में आवश्यक हो गया है;

(ख) क्या इस सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा आवश्यक सर्वेक्षण कर लिया गया है; और

(ग) इस रेलवे का निर्माण कार्य जल्दी आरम्भ न करने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) से (ग). दातेवाड़ा (जगदलपुर के समीप) और धल्लीराजहरा (वालौड के समीप) के बीच बड़ी लाइन के निर्माण के सम्बन्ध में किये गये व्यावहारिकता एवं लागत अध्ययन से पता चला है कि यह लाइन वित्तीय दृष्टि से औचित्यपूर्ण नहीं होगी इसलिए इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया था ।

भिलाई इस्पात कारखाना

3772. **श्री लाखन लाल गुप्त** : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में भिलाई इस्पात कारखाने में विभिन्न वर्गों के कितने कर्मचारियों की नियुक्ति की गई; और

(ख) गत दो वर्षों में छटनी के परिणाम-स्वरूप विभिन्न वर्षों के कितने कर्मचारियों को सेवा निवृत्त किया गया ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : (क) (i) **नियमित सिब्बन्दी** :

वर्ष 1966 और 1967 में नियमित सिब्बन्दी में निम्नलिखित भरती की गई :—

	1966	1967	जोड़
निष्पादन कर्म-चारी	6	4	10
अनिष्पादन कर्मचारी	228	370	598

इनके अलावा निर्माण-विभाग के निम्न-लिखित कर्मचारी नियमित सिब्बन्दी में लाये गये :—

	1966	1967	जोड़
निष्पादन कर्मचारी.	51	14	65
अनिष्पादन कर्मचारी	1,840	1,439	3,279

(ii) **वर्क चार्जड स्टाफ** : दो वर्षों (1966 और 1967) में 132 व्यक्ति भरती किये गये । इनमें ऐसे 92 ऐसे कर्मचारी भी शामिल हैं जो छंटनी किये गये थे अथवा विस्थापित कर्मचारी थे जिन्हें पुनः काम पर लगाया गया था ।

(ख) इस अवधि में निकाले गये कुल कर्म-चारियों की संख्या इस प्रकार है :—

नियमित सिब्बन्दी	19
वर्क चार्जड	3926

1966 में 3,926 वर्क चार्जड कर्मचारी एक ही बार निकाले गये क्योंकि निर्माण कार्यों के लिये वे आवश्यकता से अधिक हो गये थे और विस्तार कार्य पूरा हो चुका था ।

NIGHT DUTY ALLOWANCES TO CARRIAGE STAFF OF MECHANICAL DEPTT. OF SAMASTIPUR DIVISION

3773. SHRI BHOGENDRA JHA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the General Manager, North Eastern Railway has passed orders for the payment of arrears of Night Duty Allowance to the Carriage staff of the Mechanical Department with effect from the 1st April, 1967 for several stations of Samastipur Division and other stations;

(b) whether it is also a fact that the Railway Board had sanctioned payment of arrears from the 1st October, 1967; and

(c) if so, the steps being taken by Government to remove this anomaly ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) Yes.

(b) No.

(c) Does not arise.